

मुंह से ब्रथ पकड़कर लोगों के घेरे बनाने से लेकर धनुष घलाने तक प्रेरणादायी रही है पैरा तीरंदाज पायल की यात्रा



टीम एक्शन इंडिया
नई दिल्ली। जब शीतल देवी ने बिना हाथों के पैरेस पैरालिंपिक में तीरंदाजी में भारत के लिए पहला पदक जीता, तो दुनिया हैरान रह गई। हर कोई चकित था कि वह कैसे संभव हुआ और वह रातों-रात स्टार पैरा गंडे इसके बाद भारतीय पैरा तीरंदाजी के पहल पर एक नई मेडलीय पायल का प्रवेश हुआ। शीतल के दोनों हाथ नहीं हैं तो पायल के हाथ और पैर नहीं हैं। पायल ने हाल ही में जयपुर में आयोजित 6वीं राष्ट्रीय पैरा तीरंदाजी चैंपियनशिप में शीतल को हराकर नेशनल चैंपियन बनी है। उन्होंने इस खेल के गुरु उसी मात्रा वैष्णों देवी श्रावन तीरंदाजी अकादमी में सीखे हैं, जिसने शीतल को स्टार बनाया है। तीरंदाजी के मैदान पर प्रतिस्पर्धा के बावजूद शीतल को पायल अपनी बड़ी बहन मानती है। अपनी बड़ी बहन की तरह ही वह भी देश के लिए पैरालिंपिक पदक जीतने का सपना देखती है।

बीमा की रकम के लिए बोटे ने की थी पिता की हत्या

टीम एक्शन इंडिया
ग्रेटर नोएडा। कास्टिंग पुलिस ने दो दिसंबर 2024 में हुई एक व्यक्ति की हत्या के मामले का पर्याप्तता करते हुए हत्यारोपित बोटे को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि पिता के नाम बीमा की रकम हड्डपने व बैंक का कर्ज माफ कराने के लिए बोटे ने ही योजना बनाकर तह तक पूलिस चौक से गोदकर हत्या की थी। हत्यारोपित की पहचान बिहार किशनांज के गांव बोहरा के संतोष बोसक के रूप में हुई है। आरोपित वर्तमान में बुलंदशहर के बिसवाना गांव में परिवार के साथ रह रहा था। पुलिस ने हत्यारोपित बोटे को गिरफ्तार कर कोटि में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया है। एजेंसीप्री ग्रेटर नोएडा सुधार कुमार ने बताया कि बिहार के प्रकाश बोसक 20 साल पहले नोएडा आए थे। प्रकाश व उसके बड़े बेटे सांतोष ने साल 2022 में प्राइवेट बैंक से साल 10 लाख रुपये का होम लोन लेकर बुलंदशहर में एक घर खरीदा था, जिसकी महीने की किस्त साल 12 हजार रुपये थी। हर महीने किस्त चुका पाना मुश्किल हो रहा था। सांतोष व उसके पिता को दूसरा लोन ले लेते हैं, जिससे होम लोन भी खत्म हो जाएगा और उसकी पिता को अलावा जाएगा। दूसरी हातिसिंग फाइंस से

घोर कल्पुग

► रकम हड्डपने व बैंक का कर्ज माफ कराने के लिए बोटे ने ही योजना बनाकर पिता की चाकू से गोदकर हत्या की

लगभग 21 लाख रुपये का लोन पास हुआ।

पूराना लोन चुकता होने के साथ ही शेष रकम सात लाख 69 हजार रुपये संबोध ने अपनी पर्फॉरमेंसी मासिल के बैंक खाते में जमा कर दी। इस लोन पर प्रकाश का जीवन बीमा 60 प्रतिशत का था। लोन की कित्त लगभग 27 हजार रुपये प्रति महीने थी, जो बहुत अधिक थी। युरु के कुछ महीने तो बैंक किस्त देने में काफ़ि दिक्कत नहीं हुई, लोकन धीरे-धीरे बैंक का पैसा खत्म होने लगा और इनका बैंकर्सी थी। गौतमबुद्ध नगर यातायात पुलिस का प्रयास है कि यातायात नियमों का पालन कर वाहन चलाएं ताकि अन्य लोगों को परेशानी नहीं हो। उधर, यातायात पुलिस सेक्टर 20 थाने में इस तरह की लापरवाही को लेकर एक मुकदमा भी दर्ज कर चुकी है।

25-25 लाख रुपये के दो जीवन बीमा कराएं
संतोष को पता चला कि उसके पिता ने अपने 25-25 लाख रुपये के दो जीवन बीमा कराया हुए हैं, जिसमें उसकी मां नमिनी है। इन जीवन बीमा के बारे में घर में संतोष व कपड़े पर अलावा किसी को नहीं पता था।

छापा पड़ते ही मर्टी भगदड़, आपत्तिजनक हालत में मिलीं 23 लड़कियाँ

सेक्स रैकेट

► दिल्ली पुलिस ने 23 लड़कियों को किया रेस्यू
► सात दलालों को किया गया गिरफ्तार

द्यूमन ट्रैफिकिंग में शामिल सात लोगों को गिरफ्तार किया गया। अवैध गतिविधि में इस्तेमाल किए गए सात मोबाइल फोन और दो स्कूटी बरामद की गई हैं।

सेक्स रैकेट

► दिल्ली पुलिस ने 23 लड़कियों को किया रेस्यू
► सात दलालों को किया गया गिरफ्तार

पुलिस ने तैनात किए थे फर्जी ग्राहक पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर जाल बिछाया और देव देव व्यापार के गदे खेल को उजागर किया है।

पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर जाल बिछाया और देव देव व्यापार के गदे खेल को उजागर किया है।

सड़क पर गाड़ी पार्क करने वाले हो जाएं सावधान



अमूमन देखने में आता है कि लोगों ओवरलोड वाहन को लेकर निकलते हैं। ओवरलोड वाहन बाहर खारबाह करते हैं जो लोग वाहन चालने की लापरवाही को लेकर एक मुकदमा भी दर्ज कर चले जाते हैं। इससे भी मार्ग पर यातायात बाधित होता है।

मुश्किल होता है। इससे मार्ग पर यातायात बाधित होता है। दूसरी ओर लोग वाहन खारबाह नहीं होते हैं। अन्य वाहन चालने की लापरवाही की बाबादी जैसा देहरा नुकसान उठाना पड़ता है। टीम को मौके पर पहुंचने में देरी होती है।

कई दुर्घटनाएँ होने पर लोग मदद करने वाये अपने वाहन सड़क पर रोककर खड़े हो जाते हैं और तमाशा देखने के लिए चले जाते हैं। इससे सड़क पर सुचारू रूप से यातायात संचालन बाधित होता है। ऐसी स्थिति में नोएडा-ग्रेटर नोएडा एस्प्रेस एवं यमुना एक्सप्रेस, एस्प्रेस नी व एप्लिकेटेड रोड पर चंद मिनटों में ही वाहनों की कतार लग जाती है।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि पुलिस थाना नंद नगरी, दिल्ली के अधीन दर्ढनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के बारें उसका अनुसार, आरोपी कथित तौर पर पश्चिम बंगल, नेपाल और अन्य राज्यों को गिरफ्तार किया जाएगा। यह व्यापार से लोगों ने कब्जा कर लिया है। इसके द्वारा जाता है कि उसने आरोपितों को पकड़ने के लिए

से महिलाओं को झटे बहाने से बहला-फूसलाकर दिल्ली लाते थे और उन्हें बैठाया की टीमों ने कई बोटों में डीडीए की जमीन पर करीब 100 बोटों से अतिक्रमण कर वर्षी झुग्यियों की डीडीए ने तोड़ दिया है। 11 मार्च को एक झुग्यी में रात के बक्स रोशनी के लिए जलावृष्टि गई डिविया से आग लग गई थी, जिसमें दो सगे भाइयों समेत तीन लोगों की जलकर मौत हो गई थी।

इस हादसे के बाद डीडीए पर सवाल खड़े हुए थे डीडीए की जमीन पर लोगों को कब्जा कर झुग्यियों बसा रखी है, आविर डीडीए पर कार्रवाई कर रहा है।

सदिंश्वासनों की बढ़ाया गया। अतिक्रमण को हटाया गया। उन्होंने बताया कि दोबारा अतिक्रमण हुई तो सामान जब्त करने के साथ कार्रवाई की जाएगी।

कई स्थानों को कराया गया। अतिक्रमण मुक्त। अशोक नगर जारी रखा गया। अतिक्रमण की धूमियों के बोटों से अतिक्रमण कर वर्षी झुग्यियों की डीडीए ने तोड़ दिया है। 11 मार्च को एक झुग्यी में रात के बक्स रोशनी के लिए जलावृष्टि गई डिविया से आग लग गई थी, जिसमें दो सगे भाइयों समेत तीन लोगों की जलकर मौत हो गई थी।

इस हादसे के बाद डीडीए पर सवाल खड़े हुए थे डीडीए की जमीन पर लोगों ने कब्जा कर झुग्यियों बसा रखी है, आविर डीडीए पर कार्रवाई कर रहा है।

सदिंश्वासनों की बढ़ाया गया। अतिक्रमण को हटाया गया। उन्होंने बताया कि दोबारा अतिक्रमण हुई तो सामान जब्त करने के साथ कार्रवाई की जाएगी।

कई स्थानों को कराया गया। अतिक्रमण मुक्त। अशोक नगर जारी रखा गया। अतिक्रमण की धूमियों के बोटों से अतिक्रमण कर वर्षी झुग्यियों की डीडीए ने तोड़ दिया है। 11 मार्च को एक झुग्यी में रात के बक्स रोशनी के लिए जलावृष्टि गई डिविया से आग लग गई थी, जिसमें दो सगे भाइयों समेत तीन लोगों की जलकर मौत हो गई थी।

इस हादसे के बाद डीडीए पर सवाल खड़े हुए थे डीडीए की जमीन पर लोगों ने कब्जा कर झुग्यियों बसा रखी है, आविर डीडीए पर कार्रवाई कर रहा है।

सदिंश्वासनों की बढ़ाया गया। अतिक्रमण को हटाया गया। उन्होंने बताया कि दोबारा अतिक्रमण हुई तो सामान जब्त करने के साथ कार्रवाई की जाएगी।

कई स्थानों को कराया गया। अतिक्रमण मुक्त। अशोक नगर जारी रखा गया। अतिक्रमण की धूमियों के बोटों से अतिक्रमण कर वर्षी झुग्यियों की डीडीए ने तोड़ दिया है। 11 मार्च को एक झुग्यी में रात के बक्स रोशनी के लिए जलावृष्टि गई डिविया से आग लग गई थी, जिसमें दो सगे भाइयों समेत तीन लोगों की जलकर मौत हो गई थी।

इस हादसे के बाद डीडीए पर सवाल खड़



संपादकीय

सुनीता विलियम्स : साहस से छुआ आसमान

अगर देखना चाहते हो मेरे हाँसलों की उड़ान तो आसमान से कह दो कि औं ऊँचा हो जाए।

ये पंक्तियां निश्चित ही ऐसा आभास करती हैं कि वह असंभव जैसी बात है क्योंकि आसमान में उड़ने वाली बात किसी ऐसे सपने जैसी ही लगती है, जो पूरा हो ही नहीं सकता। लेकिन व्यक्ति के पास साहस और धैर्य है तो वह असंभव लगने वाले लक्ष्य को भी प्राप्त कर सकता है। भारतीय मूल की बेटी सुनीता ने अपने साहस और धैर्य से आसमान को छुने को साहसी कार्य किया है। वह एक ऐसा कीर्तिमान है जो भवित्व के लिए एक मील का पथर है। जो अंतरिक्ष विज्ञान के लिए एक दिशा बोध बनाया। आज अंतरिक्ष विज्ञान जगत के लिए सुनीता विलियम्स एक ऐसा नाम है, जिसे साथ विज्ञान को देने के लिए बहुत कृश्च है। जिनका जीवन कहते कहने के मुंह विज्ञान की खोज की थी, यह जीवाणु तर्पेटिक/क्षय रोग (टीबी) का कारण बनता है। माइक्रोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस की खोज हो जाने से टीबी के निदान और इलाज में बहुत आसानी हुई। जर्मन फिजिशियन रॉबर्ट कोच को इस खोज के लिए उड़ने के लिए नोबेल पुरस्कार दिया गया। यही कारण है कि हर विश्व स्वास्थ्य संगठन टीबी के सामाजिक, अधिकारी और सेहत के लिए हानिकारक नीजों पर दुनिया में जन-जागरूकता फैलाने और दुनिया से टीबी के खासी को किया जाने के लिए विश्व क्षय रोग दिवस मनाता आ रहा है। माइक्रोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस की खोज को भी साहस बोध विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूचॉर्चओ) ने पहली बार 24 मार्च 1982 को विश्व क्षय रोग दिवस शुरू मनाने की शुरूआत की, तभी से हर साल 24 मार्च को विश्व क्षय रोग दिवस पूरे विश्व में मनाया जाता है। टीबी (क्षय रोग) एक घातक संक्रामक रोग है जो कि माइक्रोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस जीवाणु की वजह से होती है। टीबी (क्षय रोग) आमतौर पर ज्यादातर फेफड़ों पर हमला करता है, लेकिन यह फेफड़ों के अलावा शरीर के अन्य भागों को भी प्रभावित कर सकता है। यह रोग हवा में माध्यम से लक्षित है। जब रोग रोग से प्रतिष्ठित व्यक्ति खासित, छोटी या बड़ी होता है तो उसके साथ संक्रामक ड्रॉपलेट न्यूकिलआई उत्पन्न होता है जो कि हवा के माध्यम से किसी अन्य व्यक्ति को संक्रमित कर सकता है। ये ड्रॉपलेट न्यूकिलआई कई घंटों तक बायाकारी के लिए रहते हैं। जब एक स्वस्थ व्यक्ति वस्त्र में घुले हुए, इन माइक्रोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस ड्रॉपलेट न्यूकिलआई के सपर्क में आता है तो वह इससे संक्रमित हो सकता है। क्षय रोग सुन्त और संक्रमित कर रहा है। अगर टीबी को प्रभावित कर सकता है। लक्षणों की बात की जाती है तो अपराधीर पर लंबे समय तक स्थांसी सोने में दर्द, बलगम, वजन कम होना, बुखार आना और रात में पीसीना आना शमिल हो सकते हैं। जब भी-कभी पल्मोनरी टीबी से संक्रमित लोगों की खासियत के साथ थोड़ी मात्रा में खुन भी आ जाता है। लगभग 90 प्रतिशत से ज्यादा मालिनी में फेफड़ों को प्रभावित करता है। लक्षणों की बात की जाती है तो अपराधीर पर चुनौती है ड्रॉपलेट टीबी के इलाज का, जो कि प्रमुख रूप से दो प्रकार की होती है मल्टी ड्रॉपलेट टीबी और एक्स्ट्रा पल्मोनरी टीबी (इर क्षुफ्कुसीय वक्षमा) का इलाज की जाए तो इसकी विज्ञापन के कारण फेफड़ों के अलावा अन्य प्रकार के टीबी हो जाते हैं। फेफड़ों के अलावा दूसरे अंगों में होने वाली टीबी को समूहिक रूप से एक्स्ट्रा पल्मोनरी टीबी (इर क्षुफ्कुसीय वक्षमा) के रूप में चिह्नित किया जाता है। एक्स्ट्रा पल्मोनरी टीबी (इर क्षुफ्कुसीय वक्षमा) अधिकतर कमरीय प्रतिरोधक क्षमता वाले लोगों और छोटे बच्चों में अधिक आम होता है। एक्स्ट्रा पल्मोनरी टीबी (इर क्षुफ्कुसीय वक्षमा) अधिकतर कमज़ोर प्रतिरोधक क्षमता वाले लोगों और छोटे बच्चों में अंतरिक्ष में जाना निश्चित ही अत्यंत दुष्कर कार्य है। भारतीय मूल की बेटी सुनीता विलियम्स और उनके साथ एक दिशा बोध बनाया। जाहिर है यात्रा सारल नहीं थी। क्योंकि अंतरिक्ष में गुरुत्वाकर्षण का अभाव रहता है। हालांकि सुनीता विलियम्स की वह तीसरी अंतरिक्ष यात्रा थी। हम जानते हैं धरती से वायुमंडल की परिधि समाप्त होने के बाद अंतरिक्ष की दुनिया प्रारंभ होती है।

अंतरिक्ष के बारे में कहते हैं कि मानव आकृति अधर में ही लटकी रहती है। अगर कोई यात्री अंतरिक्ष यात्रा में भी याया है तो उसे अंतरिक्ष में गुरुत्वाकर्षण का अभाव रहता है। हालांकि सुनीता विलियम्स की वह तीसरी अंतरिक्ष यात्रा थी। हम जानते हैं धरती से वायुमंडल की परिधि समाप्त होने के बाद अंतरिक्ष की दुनिया प्रारंभ होती है। भारतीय मूल की बेटी सुनीता विलियम्स और उनके साथ एक दिशा बोध बनाया। जाहिर है यात्रा सारल नहीं थी। क्योंकि अंतरिक्ष में गुरुत्वाकर्षण का अभाव रहता है। हालांकि सुनीता विलियम्स की वह तीसरी अंतरिक्ष यात्रा थी। हम जानते हैं धरती से वायुमंडल की परिधि समाप्त होने के बाद अंतरिक्ष की दुनिया प्रारंभ होती है।

अंतरिक्ष के बारे में कहते हैं कि मानव आकृति अधर में ही लटकी रहती है। अगर कोई यात्री अंतरिक्ष यात्रा में भी याया है तो उसे अंतरिक्ष में गुरुत्वाकर्षण का अभाव रहता है। हालांकि सुनीता विलियम्स की वह तीसरी अंतरिक्ष यात्रा थी। हम जानते हैं धरती से वायुमंडल की परिधि समाप्त होने के बाद अंतरिक्ष की दुनिया प्रारंभ होती है।

अंतरिक्ष के बारे में कहते हैं कि मानव आकृति अधर में ही लटकी रहती है। अगर कोई यात्री अंतरिक्ष यात्रा में भी याया है तो उसे अंतरिक्ष में गुरुत्वाकर्षण का अभाव रहता है। हालांकि सुनीता विलियम्स की वह तीसरी अंतरिक्ष यात्रा थी। हम जानते हैं धरती से वायुमंडल की परिधि समाप्त होने के बाद अंतरिक्ष की दुनिया प्रारंभ होती है।



“अधिकतर मामलों में संक्रमण फेफड़ों से बाहर भी फैल जाता है

और शरीर के दूसरे अंगों को प्रभावित करता है। जिसके कारण फेफड़ों के अलावा अन्य प्रकार के दूसरे अंगों में होने वाली टीबी को बाहर करते हैं। यही कारण है कि हर विश्व स्वास्थ्य संगठन के लिए जन-जागरूकता फैलाने और दुनिया से टीबी के खासी को खोज की थी, यह जीवाणु तर्पेटिक/क्षय रोग (टीबी) का कारण बनता है। माइक्रोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस की खोज हो जाने से टीबी के निदान और इलाज में बहुत आसानी हुई। जर्मन फिजिशियन रॉबर्ट कोच को इस खोज के लिए उड़ने के लिए नोबेल पुरस्कार दिया गया। यही कारण है कि हर विश्व स्वास्थ्य संगठन टीबी के सामाजिक, अधिकारी और सेहत के लिए हानिकारक नीजों पर दुनिया में जन-जागरूकता फैलाने और दुनिया से टीबी के खासी को खोज की थी, यह जीवाणु तर्पेटिक/क्षय रोग (टीबी) का कारण बनता है। माइक्रोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस की खोज हो जाने से टीबी के निदान और इलाज में बहुत आसानी हुई। जर्मन फिजिशियन रॉबर्ट कोच को इस खोज के लिए उड़ने के लिए नोबेल पुरस्कार दिया गया। यही कारण है कि हर विश्व स्वास्थ्य संगठन के लिए जन-जागरूकता फैलाने और दुनिया से टीबी के खासी को खोज की थी, यह जीवाणु तर्पेटिक/क्षय रोग (टीबी) का कारण बनता है। माइक्रोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस की खोज हो जाने से टीबी के निदान और इलाज में बहुत आसानी हुई। जर्मन फिजिशियन रॉबर्ट कोच को इस खोज के लिए उड़ने के लिए नोबेल पुरस्कार दिया गया। यही कारण है कि हर विश्व स्वास्थ्य संगठन के लिए जन-जागरूकता फैलाने और दुनिया से टीबी के खासी को खोज की थी, यह जीवाणु तर्पेटिक/क्षय रोग (टीबी) का कारण बनता है। माइक्रोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस की खोज हो जाने से टीबी के निदान और इलाज में बहुत आसानी हुई। जर्मन फिजिशियन रॉबर्ट कोच को इस खोज के लिए उड़ने के लिए नोबेल पुरस्कार दिया गया। यही कारण है कि हर विश्व स्वास्थ्य संगठन के लिए जन-जागरूकता फैलाने और दुनिया से टीबी के खासी को खोज की थी, यह जीवाणु तर्पेटिक/क्षय रोग (टीबी) का कारण बनता है। माइक्रोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस की खोज हो जाने से टीबी के निदान और इलाज में बहुत आसानी हुई। जर्मन फिजिशियन रॉबर्ट कोच को इस खोज के लिए उड़ने के लिए नोबेल पुरस्कार दिया गया। यही कारण है कि हर विश्व स्वास्थ्य संगठन के लिए जन-जागरूकता फैलाने और दुनिया से टीबी के खासी को खोज की थी, यह जीवाणु तर्पेटिक/क्षय रोग (टीबी) का कारण बनता है। माइक्रोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस की खोज हो जाने से टीबी के निदान और इलाज में बहुत आसानी हुई। जर्मन फिजिशियन रॉबर्ट कोच को इस खोज के लिए उड़ने के लिए नोबेल पुरस्कार दिया गया। यही कारण है कि हर विश्व स्वास्थ्य संगठन के लिए जन-जागरूकता फैलाने और दुनिया से टीबी के खासी को खोज की थी, यह जीवाणु तर्पेटिक/क्षय रोग (टीबी) का कारण बनता है। माइक्रोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस की खोज हो जाने से टीबी के निदान और इलाज में बहुत आसानी हुई। जर्मन फिजिशियन रॉबर्ट कोच को इस खोज के लिए उड़ने के लिए नोबेल पुरस्कार दिया गया। यही कारण है कि हर विश्व स्वास्थ्य संगठन के लिए जन-जागरूकता फैलाने और दुनिया से टीबी के खासी को खोज की थी, यह जीवाणु तर्पेटिक/क्षय रोग (टीबी) का कारण बनता है। माइक्रोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस की खोज हो जाने से टीबी के निदान और इलाज में बहुत आसानी हुई। जर्मन फिजिशियन रॉबर्ट कोच को इस खोज के लिए उड़ने के ल

शहीद दिवसः शहीदों के संघर्ष और विचारों का हुआ गुणगान



टीम एक्शन इंडिया
मथुरा। शहीद दिवस पर शहीदों के सम्मान में जगह जगह कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। मथुरा में हुए कार्यक्रम भव्य नहीं थे लेकिन लोगों की आवाजों से जुड़े थे। अखिल भारतीय समता फाउंडेशन जनपद मथुरा द्वारा संरक्षक धर्मीराम बाबा प्रधान की अध्यक्षता में शहीदों आजम भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव जी के 94 वें बलिदान दिवस पर अद्वाजलि सभा का आयोजन कृष्ण नगर बिजली तहरी कैंप कार्यालय पर किया। अध्यक्ष बाबा प्रधान, विमल कुमार, ऋतिक सैनी, कोमल सैनी, राजवर्प सिंह, आकाश बाबू, अंकित सागर, भोला कर्दम, गुरु

सपना देखा था सिर्फ सत्ता परिवर्तन का नहीं, हमको शहीदों के परिवर्तनों को वर्तमान में उनकी प्रासंगिकता को समझते हुए उनके बताएं मार्ग पर चलने का खुद से अग्रह करना होगा, प्रतिबद्धता जानानी होगी, तब कहीं व्यवस्था अंकित सागर, भोला कर्दम, गुरु

परिवर्तन कर आम आदमी को गाढ़ की मूँझ धारा से जोड़ा जा सकता। लुकश कुमार राही, धनीराम बाबा प्रधान, विमल कुमार, ऋतिक सैनी, कोमल सैनी, राजवर्प सिंह, आकाश बाबू, अंकित सागर, भोला कर्दम, गुरु

शर्म, सोहेल खान, गौरव कुमार आदि लोग मौजूद रहे। आम आदमी पार्टी के कार्यकारीओं ने भगत सिंह पार्क स्थित सरदार भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। तरंग शाखा के सुरेश सैनी ने कहा कि शहीदों के विचार हमें उर्जा देते हैं। देश हमेशा वीरों और झण्डों रहता है। पूर्व जिलाध्यक्ष रवि प्रकाश भाराज ने कहा कि युवाओं की सोच में सरदार भगत सिंह जैसे क्रांतिकारियों के विचारों का प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है।

विचार हमें उर्जा देते हैं। देश हमेशा वीरों और झण्डों रहता है। पूर्व जिलाध्यक्ष रवि प्रकाश भाराज ने कहा कि युवाओं की सोच में सरदार भगत सिंह जैसे क्रांतिकारियों के विचारों का प्रभाव हुए नजर आए। वही मेला क्षेत्र में कई चार पहिया वाहन पार्क हुए नजर आए। वही मेला क्षेत्र में कई चार पहिया वाहन भी घूमते रहे।

सांकेतिक खबरें

यूपी बोर्डः पांचवें दिन 47761 उत्तर पुस्तिकाओं का हुआ मूल्यांकन

लोकेश चौधरी

मथुरा। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाल में समाप्त हुई हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की बोर्ड परिषिकाओं की उत्तर पुस्तिकाओं की जांच हुई। पांच दिनों के अंदर तीन मूल्यांकन केंद्रों पर कुल 20137 उत्तर पुस्तिकाओं की जांच हुई है। जिला विद्यालय नियोक्तक रवीन्द्र सिंह ने बताया कि आज वीडीपी राष्ट्रीय इंटर कॉलेज मथुरा पर इंटरमीडिएट की 23632 उत्तर पुस्तिकाओं की जांच हुई है। जिला विद्यालय नियोक्तक रवीन्द्र सिंह ने बताया कि आज वीडीपी राष्ट्रीय इंटर कॉलेज मथुरा पर इंटरमीडिएट की 24129 और इंटरमीडिएट की 23938 उत्तर पुस्तिकाओं की जांच 430 परिषिकाओं की द्वारा की गई। जबकि हाईस्कूल की जगह विद्यालय इंटर कॉलेज मथुरा पर 6879 उत्तर पुस्तिकाओं की जांच 435 परिषिकाओं और जिलों की जांच 370 परिषिकाओं के द्वारा की गई। उन्होंने बताया कि आज हाईस्कूल की 24362 उत्तर पुस्तिकाओं की जांच 430 परिषिकाओं की जांच 435 परिषिकाओं और जिलों की जांच 370 परिषिकाओं के द्वारा की गई। उन्होंने बताया कि आज हाईस्कूल की 24129 और इंटरमीडिएट की 23938 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन आगे बढ़ रहा है। जबकि इंटर मीडिएट की 145846 और हाईस्कूल की 89598 उत्तर पुस्तिकाओं का जनपद में जांच होने के लिए शेष है। इस प्रकार कुल 235444 उत्तर पुस्तिकाओं की जांच होना अभी शेष है।

पीएम श्री प्राथमिक विद्यालय सौंसार का मना वार्षिकोत्सव

मथुरा। पीएम श्री प्राथमिक विद्यालय सौंसार के वार्षिकोत्सव में मां बेटी, अभिभावक मेला, शारदा सांगी छात्र छात्राओं द्वारा रांगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। प्रारंभ में आपारी आदिवासी शुक्रवार तथा अशोक कुमार के नेतृत्व में गांव में विद्यालय की छात्राओं और प्रविशेष के विद्यार्थी नियोजित करने वाले विद्यालय की शिक्षा के प्रति जागरूक किया। ग्रामीण परिवेश के नहें मुने बच्चों की कार्यितायित पर स्थानीय अभिवाहकों ने तालिम बाजारकर सराहना की। वार्षिकोत्सव का शुभार्थ मुख्य अतिथि खड़े शिक्षा अधिकारी बुद्धेशन और ग्राम प्रधान जो जिस सेवा के समक्ष दीप प्रज्ञलन व विद्यार्पण कर किया। सरकारी वंदनों के साथ मंवारी अतिथियों के द्वारा कार्यक्रम का आयोजन अस्थायिक विद्यालय के द्वारा प्रदान की गयी राशि के साथ मंवारी अतिथियों को द्वारा अद्वितीय विद्यालय की शिक्षा निर्वाचन रूप से जारी रखने पर जो दिया। कार्यक्रम में प्रधानार्थायाक गिरधारी लाल गोड, रोहित शर्मा, रितु चौधरी, कुसुम कुमारी, मधु सुकुल शिक्षक सुरेश चंद, अलका चौहान, शक्तिकर्मा ददना सारस्वत, संगीता, प्रीति, शिक्षाप्रिया डालवरद, नेहा कुमारी, आगनवाडी कार्यकर्ता लक्ष्मी सावित्री आदि उपस्थित थे।

लखनऊ : डबल मर्डर केस में सिपाही पती समेत गिरफतार

लखनऊ। काकोरी थाना क्षेत्र में 21 मार्च की रात को दो युवकों की गला रेतकर हत्या के मामले में रिविटर को पुलिस ने खुलासा कर दिया। घटना में पुलिस तीनों दो युवकों की तलाश है। पुलिस तीनों दो युवकों की तालीम ली थीं। दोनों की गला रेतकर हत्या की गई थीं। जांच में लखनऊपर खीरी में तीनों सिपाही महेंद्र और उसकी पत्नी अविकृती की भूमिका प्रकाश में आये पर उन्हें गिरफतार कर लिया गया। डीसीपी ने बताया कि पछतात में सिपाही महेंद्र ने बताया कि 20 जून 2021 में बरकताबाद निवासी अकिता उर्फ दीपिका से उसकी शादी हुई थी। 24 दिसंबर 2024 को पता बता कि पती का प्रेम संबंध उसके साथ पढ़ने वाले मंजोज लोही से हैं। इसको लेकर दोनों में झगड़ा हुआ। इसके बाद ही उसने पती के प्रेमी को जान के साथ मंवारे की साजिश शुरू कर दी। पती को जान के साथ सिपाही को जान के साथ राजवर्प कर दी। रोहित को उत्सवात्मक कार्यवाहियों के विषय में वृहत् चर्चा की गयी। वर्तमान परिस्थितियों में लेखपालों की कार्यकारी दोनों दोनों लोही को फान कर बरकताबाद पुलिया पर मिनें के लिए बुलाया गया। उसके आते ही छिक्कर बैठे सिपाही महेंद्र और उसके अधिकारियों को जान के साथ राजवर्प कर दी। रोहित को उत्सवात्मक कार्यवाहियों की विषय में वृहत् चर्चा की गयी। वर्तमान परिस्थितियों में लेखपालों की तालिम ली गयी।

टीम एक्शन इंडिया

मथुरा। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ

शाखा जनपद मथुरा द्वारा लेखपालों की सेवा सम्बन्धी

मस्तिष्क अस्थायिक विद्यालय की शिक्षा के प्रति जागरूक किया।

मथुरा में अस्थायिक विद्यालय की शिक्षा के प्रति जागरूक किया।

मथुरा में अस्थायिक विद्यालय की शिक्षा के प्रति जागरूक किया।

मथुरा में अस्थायिक विद्यालय की शिक्षा के प्रति जागरूक किया।

मथुरा में अस्थायिक विद्यालय की शिक्षा के प्रति जागरूक किया।

मथुरा में अस्थायिक विद्यालय की शिक्षा के प्रति जागरूक किया।

मथुरा में अस्थायिक विद्यालय की शिक्षा के प्रति जागरूक किया।

मथुरा में अस्थायिक विद्यालय की शिक्षा के प्रति जागरूक किया।

मथुरा में अस्थायिक विद्यालय की शिक्षा के प्रति जागरूक किया।

मथुरा में अस्थायिक विद्यालय की शिक्षा के प्रति जागरूक किया।

मथुरा में अस्थायिक विद्यालय की शिक्षा के प्रति जागरूक किया।

मथुरा में अस्थायिक विद्यालय की शिक्षा के प्रति जागरूक किया।

मथुरा में अस्थायिक विद्यालय की शिक्षा के प्रति जागरूक किया।

मथुरा में अस्थायिक विद्यालय की शिक्षा के प्रति जागरूक किया।

मथुरा में अस्थायिक विद्यालय की शिक्षा के प्रति जागरूक किया।

मथुरा में अस्थायिक विद्यालय की शिक्षा के प्रति जागरूक किया।

मथुरा में अस्थायिक विद्यालय की शिक्षा के प्रति जागरूक किया।

मथुरा में अस्थायिक विद्यालय की शिक्षा के प्रति जागरूक किया।

मथुरा में अस्थायिक विद्यालय की शिक्षा के प्रति जागरूक किया।

मथुरा में अस्थायिक विद्यालय की शिक्षा के प्रति जागरूक किया।

मथुरा में अस्थायिक विद्यालय की शिक्षा के प्रति जागरूक किया।

मथुरा में अस्थायिक विद्यालय की शिक्षा के प्रति जागरूक किया।

मथुरा में अस्थायिक विद्यालय की शिक्षा के प्रति जागरूक किया।

